सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 268 | इंदौर, बुधवार 15 अप्रैल, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मुख्यमंत्री ने अंबेडकर जयंती पर अनुयायियों संग किया सहभोज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जन्मस्थली स्मारक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए अनुयायियों के साथ सहभोज कर सामाजिक समरसता का प्रेरक संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर देशभर से पधारे श्रद्धालुओं के साथ पंक्तिबद्ध बैठकर भोजन ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर का जीवन हमें समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंबेडकर जयंती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज में समरसता और एकता को सुदृढ़ करने का अवसर है। इस प्रकार का सहभोज समाज में भेदभाव मिटाने और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। हमें बाबा साहब अम्बेड़कर के सामाजिक समरसता के संदेश को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अनुयायी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस मौके पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, आलोक कुमार, भंते धम्मदीप महाथेरो, श्रवण चावड़ा, राजेश वानखेड़े, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, डीआईजी मनोज सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती यांगचेन भूटिया भी मौजूद थे।

कलश यात्रा में चेन चोरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। परदेशीपुरा पुलिस ने चंदा तिवारी निवासी एफ-2 पुलिस लाइन की शिकायत पर सोने की चेन चोरी होने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। चंदा के मुताबिक वह गेदेश्वर महादेव मंदिर में कलश यात्रा में शामिल होने आई थी। इस दौरान किसी आरोपी ने गले से सोने की चेन निकाल ली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भीम जन्मभूमि (महू) पहुंचकर बाबा साहेब को अर्पित की पुष्पांजलि

संविधान निर्माता होने के साथ नए भारत के निर्माता भी हैं बाबा साहेब

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जन्मभूमि पर उनकी जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। बाबा साहेब एक ऐसे युग दृष्टा थे, जिन्होंने एक हजार साल की गुलामी की कठिनाइयों को दूर करने और समाज के अंदर समानता के भाव को विकसित करने के लिए लड़ाई लड़ी थी। बाबा साहेब के योगदान से हम सभी गौरवान्वित होते हैं। हमें उनके बनाए संविधान के अनुसार ही चलना चाहिए। इससे श्रेष्ठ संविधान और कोई नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. अम्बेडकर द्वारा महिला समानता और सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों और उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने बहनों को पिता की संपत्ति में अधिकार दिलाने, तलाक के समय मुआवजा और मातृत्व अवकाश दिलाने के लिए सराहनीय कार्य किया। उन्होंने हमें माताओं-बहनों के लिए 'समान काम-समान वेतन' का दूरदृष्टि पूर्ण विचार दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर के डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) में डॉ. अम्बेडकर की जन्मभूमि परिसर में आयोजित जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे।

लोकसभा और विधानसभा में सुनिश्चित होगा 33 प्रतिशत आरक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा साहेब महिला सशक्तिकरण के साहसी और प्रबल समर्थक थे। महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए बाबा साहेब ने अपनी कुर्सी तक छोड़ दी थी। न्यूनतम मजदूरी, कंपनी लॉ और महिला श्रमिकों को अधिकार हमें बाबा साहेब की ही देन है। केन्द्र सरकार संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों पर चलते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए 21वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय लेने जा रही है। आने वाले दिनों में लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पूर्ण रूप से लागू करने पर चर्चा होगी, इससे माताओं-बहनों को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के कल्याण के लिए डॉ. अम्बेडकर ने जो किया, इसके लिए देश उन्हें सदैव स्मरण करता रहेगा। बाबा साहेब ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण भारत माता की आराधना करते हुए समाज को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भीम जन्मभूमि पर आज होली-दीवाली जैसा माहौल है। बाबा साहेब के जीवन से जुड़े सभी 5 पड़ावों को हमारी सरकार ने पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है। जातिगत असमानता को खत्म करने के लिए अंतर्जातीय विवाह करने पर नवदम्पत्तियों को हमारी सरकार प्रोत्साहन राशि के रूप में 2 लाख रुपए दे रही है। अनुसूचित जाति-जनजाति के कल्याण के लिए सरकार ने सालाना बजट का एक तिहाई हिस्सा इन्हें समर्पित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अनिल गजभिये और डॉ. सत्यभान मेश्राम द्वारा डॉ. अम्बेडकर के जीवन पर लिखी पुस्तक 'बाबा साहेब की दृष्टि में सामाजिक न्याय' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने डॉ. सुदीप भगतदीप, डॉ. संदेश माधवराव, स्व. श्री निशांत कायरे, डॉ. मीना गजभिये सहित 5 समाजसेवियों को 'भीमरत्न अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद सर्वजनों को 'बाबा साहेब अमर रहे' का नारा उद्घोष कराया। कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, स्थानीय धम्म संस्था के अध्यक्ष श्री धम्मदीप महाथेरो एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

तस्कर के घर पर आबकारी का बड़ा एक्शन, बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में मदिरा के अवैध रूप से क्रय-विक्रय, भण्डारण तथा परिवहन करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के अंतर्गत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जिलाबदर कुख्यात तस्कर के घर पर छापा डालकर बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जप्त की गई।

यह कार्रवाई सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल एवं फ्लाइंग स्क्वॉड प्रभारी कमलेश सोलंकी द्वारा वृत्त सांवेर अंतर्गत ग्राम बड़ोदिया खान में की गई। आबकारी विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुख्यात शराब तस्कर महेश उर्फ एन.डी. के निवास से अवैध मदिरा जप्त की गई। कार्यवाही के दौरान कुल 62 पेटी देशी मदिरा (558 बल्क लीटर), 35 पेटी विदेशी मदिरा स्प्रिट (315 बल्क लीटर) तथा 4 पेटी विदेशी मदिरा बीयर (48 लीटर) जप्त की गई। इस प्रकार कुल 101 पेटी देशी एवं विदेशी मदिरा, कुल 921 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। उक्त आरोपी पूर्व में जिलाबदर भी रह चुका है, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति स्पष्ट होती है। उक्त कार्रवाई में आबकारी विभाग की टीम, जिसमें एडीईओ धर्मेंद्र जोशी, जहांगीर खान तथा उप निरीक्षक त्रियांबिका शर्मा, आशीष जैन एवं बी.डी. अहिरवार का विशेष योगदान रहा। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सम्मेलन में विभिन्न वर्गों की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं का तेजी से सशक्तिकरण होगा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नारी शक्ति के बल पर अहिल्याबाई ने पेशवा को युद्ध में मजबूर किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं के हित में लगातार निर्णय लेकर महिलाओं को अधिकार देने के साथ-साथ उन्हें सशक्त बना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम का फैसला 21वीं सदी के सबसे अहम फैसलों में से एक लेने के करीब है। उक्त अधिनियम के लागू हो जाने के बाद नारी शक्ति का तेजी से सशक्तिकरण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार इंदौर के परस्पर नगर स्थित लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में अपना संबोधन दे रहे थे। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, सासंद शंकर लालवानी, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला, सुश्री उषा ठाकुर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का पालन करते हुए मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाकर महिलाओं के हित एक नया इतिहास लिखा, तो वहीं अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर देवी अहिल्याबाई का शहर है और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्मस्थली है। आज हम जिस सभागृह में उपस्थित है वह लता मंगेशकर की स्मृति में बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई प्रजा हितैषी और सुशासन की उत्कृष्ट मिसाल थी। उनके राज्य में चारों ओर सुख-शांति और खुशहाली थी। संकट के समय देवी अहिल्याबाई ने महिलाओं को एकत्रित कर एक विशाल महिलाओं की सेना बनाई। इसी नारी शक्ति के बल पर देवी अहिल्याबाई ने पेशवा को पराजित करने के लिए मजबूर किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुष सत्ता विद्यमान है, लेकिन भारत एक ऐसा देश है जहाँ मातृ शक्ति प्रधान है। हमारे नवग्रहों में से एक पृथ्वी ग्रह को भी माता कहा गया है, हम सब पृथ्वी के पुत्र है और हम भारत माता की जय कहते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे यहाँ प्राचीन समय से महिलाओं को आदर और सम्मान प्राप्त है। योगेश्वर श्रीकृष्ण को भी यशोदा नन्दन कहा जाता है। यशोदा और कृष्ण के असीम स्नेह की कई कहानियां आज भी सुनाई जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेवाड़ में राष्ट्र धर्म के लिए पन्नाधाय ने अपने पुत्र का बलिदान किया था। आज से करीब 500 वर्ष पूर्व जबलपुर में पराक्रमी रानी दुर्गावती ने मुगलों से युद्ध कर अपनी शक्ति और वीरता का परिचय दिया था। इसी कड़ी में झाँसी की रानी ने भी अंग्रेजों से लौहा लिया था।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर एक युगदृष्टा थे, जिन्होंने 20वीं शताब्दी में भारतीय समाज की कमजोरियों और असमानताओं को पहचानकर उन्हें दूर करने के लिए संघर्ष किया। कार्यक्रम के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और स्टालों पर पहुँचकर महिलाओं से उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की और संवाद किया। साथ ही परिसर में स्थित स्वर कोकिला लता मंगेशकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। लता मंगेशकर ऑडोटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर इंदौर की नारियों ने अनोखी मिसाल कायम की। कार्यक्रम में मंच पर कई वर्गों में कार्य कर रही नारियों ने अपनी सहभागिता की और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मंच की शोभा बढ़ाई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों में मंत्री, सांसद, विधायक और अधिकारी सब दर्शक दीर्घा में बैठे।

कार्यक्रम में विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पास हो जाने के बाद महिलाओं को लोकसभा, विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ। कार्यक्रम में कला, संस्कृति, उद्यम, साहित्य आदि क्षेत्रों की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी। इस मौके पर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर कलेक्टर रोशन राय, डॉ. दिव्या गुप्ता, श्रवण चावड़ा, सुमित मिश्र, श्रीमती माला सिंह ठाकुर, हरिनारायण यादव भी मौजूद थे।

केयरटेकर ने बुजुर्ग को नशा देकर लूटा

लाखों के जेवर लेकर भागा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। गुमाश्ता नगर में 75 वर्षीय बुजुर्ग को नशा देकर लूट का मामला सामने आया है। केयरटेकर बनकर आया युवक सोने की चेन, ब्रेसलेट समेत लाखों के जेवर लेकर फरार हो गया।

घटना द्वारकापुरी इलाके की है। बुजुर्ग ओमप्रकाश मूंगड चलने-फिरने में असमर्थ हैं। उनकी देखरेख करने वाला राजगढ़ निवासी दिलीप सिंह छुट्टी पर था, इसलिए परिवार ने एजेंसी संचालक उमराव सिंह के माध्यम से फिरोजाबाद निवासी यश को 10 दिन के लिए बुलाया था। रविवार को आरोपी ने योजना बनाकर बुजुर्ग को नशा दिया। उनके सोने के बाद सोने की चेन, ब्रेसलेट और अन्य जेवर लेकर फरार हो गया। पुलिस को घटनास्थल से नशे की पुड़िया और खाने-पीने का सामान मिला है, जिसे जब्त किया गया है। आरोपी की लोकेशन पहले देवास और फिर राजस्थान में ट्रेस हुई है। पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।पुलिस ने एजेंसी संचालक उमराव सिंह को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस ने 2 गांजा तस्कर पकड़े,डेढ़ किलो गांजा जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कनाड़िया पुलिस ने गांजे के साथ दो आरोपियों को पकड़ा है। वहीं पिस्टल, जिंदा कारतूस और एक कार के साथ मूसाखेड़ी में रहने वाले आरोपी को पकड़ा है। उस पर पूर्व के 4 मामले दर्ज हैं। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने बाइक से गांजा ले जा रहे नागेश धोलपुरिया निवासी बावरिया और कान्हा पिता कमल चौहान को करीब डेढ़ किलो गांजे के साथ पकड़ा है। आरोपियों के पास से बाइक और दो मोबाइल मिले हैं। वह किसे गांजा देने जा रहे थे, इसकी पूछताछ की जा रही है। वहीं कनाड़िया पुलिस ने नब्बू उर्फ निर्भय सिंह पिता कन्हैयालाल मालवीय निवासी मूसाखेड़ी को पकड़ा है। उसके पास से देसी पिस्टल और दो कारतूस व कार मिली है। आरोपी ने पिस्टल किस काम के लिए अपने पास रखी थी, इसकी पूछताछ की जा रही है।

पुलिस अफसरों ने लिए बयान

वंदे मातरम का बहिष्कार करने वाली पार्षद रुबीना पहुंची थाने

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में नगर निगम सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का विरोध करने वाली पार्षद रुबीना को पुलिस अफसरों ने थाने तलब किया। मंगलवार दोपहर वे अपने पति इकबाल खान व बेटे के साथ थाने पहुंचीं और अपने बयान दर्ज कराए। जांच के बाद पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर सकती है। पुलिस ने शिकायत के बाद सभापति व पार्षदों के बयान लिए हैं। इसके अलावा नगर निगम बजट सम्मेलन की रिकॉर्डिंग भी जब्त की गई है। वंदे मातरम विवाद मामले में कांग्रेस पार्षद रुबीना खान ने एम.जी. रोड थाने पर बयान दर्ज कराए। दो घंटे से ज्यादा देर तक पुलिस अफसरों ने उनसे पूरे घटनाक्रम को लेकर पूछताछ की। यह मामला बजट सम्मेलन में वंदे मातरम नहीं गाने से उपजे

विवाद की शिकायत से जुड़ा है, जिसके चलते पार्षद को थाने आना पड़ा।पार्षद रुबीना मंगलवार दोपहर अपने पति इकबाल खान के साथ एम.जी. रोड थाने पहुंची थीं और एसीपी विनोद दीक्षित के समक्ष अपने बयान दर्ज कराए। वंदे मातरम को लेकर रुबीना ने कहा था, हम अल्लाह की इबादत करते हैं। हमारे कुरान में सिर्फ अल्लाह की इबादत की इजाजत है। वंदे मातरम का मतलब है मां की इबादत करना। हम अपनी मां की भी इबादत नहीं करते, हमारे कुरान में इसकी मनाही है। इसके अलावा उन्होंने अपनी ही पार्टी (कांग्रेस) को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में उनके निष्कासन का प्रस्ताव शहर कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भेजा है। अभी तक उस पर फैसला नहीं हो पाया है। हालांकि, बाद में रुबीना ने अपनी बातों पर खेद व्यक्त करते हुए कहा था कि गुस्से में उनके मुंह से ये बातें निकल गई थीं।

बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण

आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को बजरंग नगर में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा "समरसता दिवस" के रूप में एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के प्रचार प्रमुख अन्नु गेहलोत ने अपने उद्बोधन में

बाबा साहब अंबेडकर के संघर्षमय जीवन, उनके सामाजिक योगदान एवं संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज के शोषित, पीड़ित, दलित एवं वंचित वर्गों को समान अधिकार दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष किया और एक ऐसे भारत की नींव रखी, जहाँ सभी नागरिकों को समान अवसर प्राप्त हो सकें। इस अवसर पर इंदौर विभाग शाह समरसता प्रमुख रमेश चौकसे ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब अंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के सशक्त प्रतीक थे। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बाबा साहब के आदर्शों को अपनाकर ही एक सशक्त, समरस और संगठित समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान बद्रीनाथ जिले के समरसता प्रमुख मनोज यादव ने यह भी कहा कि समाज में फैली ऊंच-नीच और भेदभाव की भावना को समाप्त कर सभी वर्गों को साथ लेकर चलना ही बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर , प्रांत प्रमुख गनी चौकसे, अन्नु गेहलोत, मनोज यादव, विनोद प्रजापत, राहुल राठौर, दीपक साहू, सत्यम कुशवाहा, वीरेंद्र कुशवाहा, कमल चैतन्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सामाजिक एकता, भाईचारा और समरसता का संदेश दिया।

पूजा सामग्री की दुकान में भीषण आग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। पाटनीपुरा इलाके में सोमवार देर रात पूजा सामग्री की एक दुकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि दुकान में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। आसपास की दुकानों को भी एहतियातन खाली कराया गया। फायर ब्रिगेड के मुताबिक रात करीब 1:40 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद मौके पर दमकल की दो गाड़ियां भेजी गईं। आग बुझाने के लिए करीब 17 हजार लीटर से ज्यादा पानी का उपयोग किया गया। आसपास के लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की। पुलिस के मुताबिक आग में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, हालांकि लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। आग विनायक पूजा पाठ सामग्री की दुकान में लगी थी। शटर बंद होने के कारण अंदर धुआं भर गया था। फायर टीम ने शटर तोड़कर अंदर पानी डाला और आग पर काबू पाया। सूचना मिलते ही एमआईजी टीआई सीबी सिंह मौके पर पहुंचे। दुकान सुधीर अग्रवाल की बताई जा रही है। पास की अन्य पूजा सामग्री दुकानों को तुरंत खाली कराया गया।

प्लॉट पर झोपड़ी बनाकर ब्लैकमेलिंग, 2 आरोपी पर केस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में जमीन कब्जाने और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। दो युवकों ने बुजुर्ग के प्लॉट पर कब्जा कर झोपड़ी बना ली और कब्जा हटाने के बदले 6 लाख रुपए मांगने लगे। पुलिस के मुताबिक 72 वर्षीय गोकुलप्रसाद रायकवार के महालक्ष्मीनगर स्थित प्लॉट (एमआर-3/289) पर आरोपियों ने अवैध कब्जा कर लिया। आरोपी ललित कुमार बेलिया (निपानिया) और राजकुमार मनावत (खरगोन) ने वहां झोपड़ी बनाकर कब्जा जमा लिया। जब प्लॉट मालिक ने विरोध किया, तो आरोपियों ने कब्जा हटाने के बदले 6 लाख रुपए की मांग की। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस पूछताछ में आरोपी जमीन से जुड़े कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। उन्होंने प्लॉट को सुरेश कानूनगो से लेने की बात कही, लेकिन जांच में सामने आया कि उसकी पहले ही मौत हो चुकी है। जांच में पुलिस ने पाया कि दोनों आरोपी मिलकर प्लॉट पर कब्जा कर अवैध रूप से पैसे वसूलने की कोशिश कर रहे थे। लसूड़िया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

सात फेरों के साथ गूंजेगा वंदे मातरम

- 25 जोड़े लेंगे स्वच्छता और राष्ट्र रक्षा के 9 खास वचन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। गांधी हॉल में 15 अप्रैल को सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में 25 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विवाह सूत्र में बंधेंगे। खास बात यह कि कार्यक्रम में शामिल सभी जोड़े, बाराती और घराती सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन करेंगे। इस बार समारोह की खास बात यह रहेगी कि पारंपरिक सात फेरों के साथ नवदंपतियों को नौ विशेष वचन भी दिलाए जाएंगे। इन वचनों में इंदौर को स्वच्छता में नंबर वन बनाए रखने, राष्ट्र और धर्म की रक्षा करने और सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प शामिल होगा। आयोजक विधाययक गोलू शुक्ला ने बताया कि सम्मेलन को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। विवाह में शामिल होने वाले सभी जोड़ों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सामाजिक समरसता, एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास है। वैदिक परंपराओं के साथ संपन्न होने वाला यह सामूहिक विवाह सम्मेलन इंदौर में परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रभावना का अनोखा संगम प्रस्तुत करेगा।

लिफ्ट में सामान रखने पर विवाद

इंदौर। राजेंद्र नगर इलाके में लिफ्ट में सामान रखने को लेकर विवाद के बाद मां-बेटी से मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता के मुताबिक वह लिफ्ट से खाद्य सामग्री ले जा रही थी। इसी दौरान चौकीदार की पत्नी शीला पंवार ने आपत्ति जताई और अपशब्द कहे। वीडियो बनाने पर शीला का भाई रितेश राठौर मौके पर पहुंचा और मोबाइल छीनकर फेंक दिया। इसके बाद मारपीट और झूमाझटकी की। पीड़िता ने आरोप लगाया कि रितेश ने मां के पेट में लात मारी और गुंडों से उठवाने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में शीला पंवार और रितेश राठौर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को मिलेंगी नई ऊंचाइयां : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- रवीन्द्र भवन में 15 अप्रैल को होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम
- विभिन्न क्षेत्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त महिलाएं होंगी शामिल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को नई ऊंचाइयां देने के लिए राज्य सरकार द्वारा ऐतिहासिक पहल की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पारित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की मूल भावना को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से प्रदेश भर में 10 से 25 अप्रैल तक 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में 15 अप्रैल को शाम 4 बजे रवीन्द्र भवन में राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम होगा। इस दौरान 'महिला नेतृत्व की यात्रा' विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो महिला शक्ति के गौरवशाली इतिहास और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाएगी।

इस गरिमामयी समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव शामिल होंगे और शासन व्यवस्था में महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने और नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने पर विशेष विमर्श करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को संबोधित भी करेंगे और सरकार के उस संकल्प को दोहराएंगे, जिसके तहत मध्यप्रदेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की आवाज और अधिक मुखर होगी।

कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण की दिशा में सक्रिय प्रदेश की अग्रणी महिला नेत्रियां शामिल होंगी। समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी और श्रीमती राधा सिंह सहित प्रतिष्ठित शिक्षाविद सुश्री शोभा पेठणकर की विशेष रूप से उपस्थिति रहेगी।

जमीन से लेकर शिखर तक का प्रतिनिधित्व

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त महिलाओं को आमंत्रित किया गया है। इसमें पद्मश्री से सम्मानित विभूतियां, महिला चिकित्सक, वकील, कलाकार और इंजीनियर शामिल होंगी। साथ ही, समाज की मुख्यधारा को गति देने वाली लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, स्व-सहायता समूहों की सदस्य, मैदानी स्तर पर कार्य करने वाली पर्यवेक्षक एवं परियोजना अधिकारी और महिला मीडिया प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनेंगी।

गांव-गांव तक फैलेगी चेतना की लहर

पखवाड़े के दौरान केवल भोपाल ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में जन-जागरूकता के अभियान चलाए जा रहे हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित हो रही हैं। जिनमें 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के महत्व पर ग्रामीण महिलाओं के साथ संवाद हुआ। साथ ही प्रत्येक विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में 'नारी शक्ति पदयात्रा' और शिक्षण संस्थानों में 'युवा संवाद' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी को इस सामाजिक बदलाव से जोड़ा जा रहा है। शासन का मानना है कि महिलाओं की निर्णय क्षमता में वृद्धि होने से न केवल सामाजिक चेतना आएगी, बल्कि जन-विश्वास भी और अधिक गहरा होगा।

कमलनाथ को उम्मीदवार बना सकती है कांग्रेस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए मई और जून में चुनाव हो सकते हैं। राज्य में हाल में हुई राजनीतिक गतिविधियों ने विपक्षी दल कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है। श्योपुर से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा की विधायकी पर तलवार लटकी है, कोर्ट ने उन्हें फैसला आने तक वोट डालने से रोक दिया है। दतिया विधायक राजेन्द्र भारती को तीन साल की सजा सुनाई गई है जिस कारण से उनकी सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया। वहीं, सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से विधायक निर्मला सप्रे दलबदल के मामले में फंसी हैं। ऐसे में कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई है। मध्य प्रदेश में 2023 में विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों ने कांग्रेस के 65 विधायकों को जीत मिली थी। लेकिन तीन विधायकों को लेकर संशय बना हुआ है। जिस कारण से कांग्रेस के पास केवल 62 विधायक बचे हैं। राज्यसभा की सीट जीतने के लिए कांग्रेस को 58 विधायकों की जरुरत है। संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस का एक उम्मीदवार राज्यसभा पहुंच सकता है लेकिन क्रास वोटिंग के डर ने कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल एमपी से राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो रही हैं। कांग्रेस से पूर्व सीएम और वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और बीजेपी से सुमेर सिंह सोलंकी और जार्ज कुरियन का कार्यकाल खत्म हो रहा है। मध्य प्रदेश में इन तीनों सीटों के लिए मई-जून के बीच चुनाव संभावित है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने तीसरी बार राज्यसभा जाने से इंकार कर दिया है। ऐसे में अब कांग्रेस के सामने यह मुश्किल है कि किसी ऐसे नेता को उम्मीदवार बनाया जाए जिसका बचे हुए सभी 62 विधायक समर्थन करें। इस हिसाब से पूर्व सीएम कमलनाथ का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। कमलनाथ अभी छिंदवाड़ा विधानसभा सीट से विधायक हैं। सूत्रों का कहना है कि कमलनाथ एक बार फिर से राष्ट्रीय राजनीति में जाना चाहते हैं। ऐसे में उनके नाम पर मंथन किया जा रहा है। कमलनाथ के ही नेतृत्व में मध्य प्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनाव हुए थे। कमलनाथ कांग्रेस के सभी गुटों को साथ लेकर चलने वाले नेता माने जाते हैं। सबसे बड़ी बात है कमलनाथ के नाम पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह को भी किसी तरह की आपत्ति नहीं होगी। ऐसे में कांग्रेस उस चेहरे पर दांव लगाने की सोच रही है जिसके नाम पर सभी विधायक सहमत हों।

सीएम बोले नाचते-खेलते नौजवानों की जान जा रही

'कोविड के बाद हार्ट प्रॉब्लम से हो रहीं सर्वाधिक मौतें'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ की ओर से भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में सेवा प्रकल्प की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह, डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने फीता काटकर हेल्पडेस्क की शुरुआत की।

चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- एक बड़ा मुद्दा है। कोविड के बाद सर्वाधिक मृत्यु दर अगर कहीं से है तो वह हार्ट की बीमारी के कारण हो रही है। जवान बच्चे, कोई भी नाचते हुए, गाड़ी चलाते हुए अचानक दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में हम प्रयास कर रहे हैं कि कम से कम संभाग और उसके बाद जिला स्तर पर हार्ट के मरीज को त्वरित उपचार के लिए काम कर रहे हैं। अभी पायलेट प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है उसके बाद पूरे प्रदेश में लागू करने वाले हैं ताकि हरेक व्यक्ति की जान बच सके। सीएम ने कहा- चिकित्सा प्रकोष्ठ के इस सेवा प्रकल्प के माध्यम से हम गरीब से गरीब व्यक्ति की सेवा कर सकेंगे। आप अपने गांव मोहल्ले में आंखों की जांच के शिविर लगाएं। यदि किसी को आंखों का नंबर आ जाता है अगर चश्मे की जरूरत होती है तो सरकार के माध्यम से निशुल्क चश्मे दिए जाएंगे। कई बार माताएं-बहनों को अनजाने में पता ही नहीं चलता कि उनकी आंखों में चश्मे का नंबर आ गया है और जांच न होने के कारण वो नंबर बढ़ता जाता है। आप लोग गांव में जाकर घर-घर आंखों की जांच करो और जिन्हें चश्मे की जरूरत है उन्हें चश्मे बनवाकर दो। ऐसे बहुत सारे काम आप लोग कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बनने के साथ ही हमने कई जनहित निर्णय किए हैं। अभी हाल ही में सरकार ने दो-तीन मुख्य निर्णय किए हैं। 2 दिन पहले एनएबीएच का मामला संज्ञान में आया था। हमने कहा कि नर्स नहीं है तो क्या हुआ डॉक्टर भी सेवा का कार्य कर रहे हैं। हमारा राज्य देश के मध्य में आता है। हमारा भौगोलिक क्षेत्र भी बहुत बड़ा है। इसलिए हमने सरकार गठन के साथ एक निर्णय यह भी किया कि प्रदेश में दो मंत्रालय स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा अलग- अलग थे हमने राजेन्द्र जी से कहा आपको दोनों मंत्रालयों को एक करके जिम्मेदारी दी रहे हैं।

हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे

हमारे यहां से अफगानिस्तान कजाकिस्तान कजाकिस्तान न जाने कहां-कहां मजबूरी के कारण डॉक्टरी पढ़ने के लिए जा रहे थे। ऐसे में हमने कहा कि मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज की शुरुआत की। मेडिकल कॉलेज चलाने के लिए मूलभूत सरकारी अस्पताल 10 साल तक के लिए निशुल्क दे रहे हैं। जिसे मेडिकल कॉलेज खोलना है उसे एक रुपए में 25 एकड़ जमीन दे रहे हैं। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खुलें या सरकार खोले जनता को सुविधा मिलनी चाहिए। सीएम ने कहा- हम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज भी इसी गति से खोल रहे हैं। आजादी के बाद 1956 में मप्र बना लेकिन, आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेजों के मामले में ऐसे ही हाल थे। अब 13 आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। आने वाले समय में हर स्थान पर सुपर स्पेश्यलिटी हॉस्पिटल बनाकर गरीब से गरीब आदमी की मदद करके चिकित्सा में उसकी चिंता करेंगे। अब तो हमारी सरकार उज्जैन में मेडिसिटी बनाने जा रही है।

TET परीक्षा के लिए नए सिरे से आदेश जारी होंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में डेढ़ लाख शिक्षकों की नौकरी पर असर डालने वाली TET परीक्षा को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग नया आदेश जारी करेगा। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नए आदेश में टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता और छूट की स्थिति स्पष्ट की जाए। आयुक्त ने कहा कि नए आदेश में यह स्पष्ट किया जाएगा कि किन शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्य होगी और किन्हें नियमानुसार छूट या सरलीकरण मिलेगा। विभाग ने बताया कि मामले में शासकीय अधिवक्ता से अभिमत प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही है। अभिमत मिलने के बाद सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर की जाएगी। सोमवार को लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ और अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें कई प्रशासनिक निर्णय लिए गए। बैठक में तय हुआ कि जिन शिक्षकों को वेतनवृद्धि और समयमान वेतनमान का लाभ मिलना है, उनके प्रकरणों में शीघ्र कार्रवाई कर आदेश जारी किए जाएंगे। यदि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश यथावत रहते हैं, तो परीक्षा में शामिल होने वाले शिक्षकों के लिए तहसील और विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण व सिलेबस आधारित मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संपादकीय

नीतीश युग के बाद सम्राट चौधरी की ताजपोशी

भाजपा में आने के बाद सम्राट चौधरी ने बहुत तेजी से अपनी जगह बनाई। साल 2023 में उन्हें बिहार भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिससे यह साफ हो गया कि पार्टी उन्हें एक बड़े रणनीतिकार और जननेता के रूप में देख रही है। 2025 के विधानसभा चुनाव में मुंगेर जिले की तारापुर सीट से शानदार जीत दर्ज करने के बाद, वे एनडीए (NDA) सरकार में उपमुख्यमंत्री के पद पर बरकरार रहे। एक रसूखदार राजनीतिक परिवार में जन्मे सम्राट चौधरी, बिहार के दिग्गज नेता शकुनी चौधरी के पुत्र हैं। शकुनी चौधरी पहले सेना में थे और बाद में बिहार की राजनीति के एक कद्दावर नाम बने। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए सम्राट चौधरी का राजनीतिक सफर भी कई दलों से होकर गुजरा। भाजपा में आने से पहले वे आरजेडी (RJD) और जेडीयू (JD-U) के साथ भी काम कर चुके हैं। साल 2017 में उनका भाजपा में शामिल होना उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। सम्राट चौधरी भाजपा के लिए बिहार में एक बेहद महत्वपूर्ण ओबीसी चेहरा हैं। वे कोइरी-कुशवाहा (मौरिया) समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसका बिहार के चुनावों में काफी बड़ा प्रभाव है। अपनी जातिगत पकड़ और आक्रामक राजनीतिक शैली की वजह से वे बिहार में भाजपा के विस्तार की रणनीति का केंद्र बन चुके हैं। साल 2024 में भाजपा और जेडीयू के फिर से साथ आने से पहले सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे प्रखर विरोधियों में से एक थे। साल 2022 में उन्होंने एक चर्चित सार्वजनिक घोषणा की थी कि जब तक वे नीतीश कुमार को सत्ता से हटा नहीं देंगे, तब तक अपना भगवा साफा (मुरेठा) नहीं खोलेंगे। हालांकि, बाद में राजनीतिक समीकरण बदले और वे फिर से नीतीश कुमार के साथ सरकार का हिस्सा बने। बिहार में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सम्राट चौधरी बुधवार (15 अप्रैल) को सुबह 11 बजे राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले हैं। यह घटना नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद भाजपा के विधायक दल के नेता के रूप में उनके चयन के बाद हुई है। चौधरी का मुख्यमंत्री बनना ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि वे बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनेंगे। भाजपा, जो वर्षों से राज्य की गठबंधन राजनीति में एक प्रमुख भूमिका निभा रही थी, अब स्वतंत्र रूप से सरकार का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। पटना स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित बैठक के समापन के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि निवर्तमान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सम्राट चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन निवर्तमान मंत्री दिलीप जायसवाल और मंगल पांडेय ने किया। विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त चौहान ने बताया कि इसके बाद उपस्थित सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से चौधरी को अपना नेता चुन लिया।

ज्ञान-विज्ञान

न नास्त्रेदमस, ना बाबा वेंगा

NASA सुपरकंप्यूटर ने बताया कि पृथ्वी पर जीवन कब खत्म होगा?

नास्त्रेदमस और बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों को भूल जाइए. नासा ने भविष्यवाणी कर दी है कि पृथ्वी पर जीवन यानी सारे जीव कब खत्म होंगे. ब्रह्मांड के हिसाब से जिस समय का ऐलान किया गया है वो बहुत कम है. धरती पर जीवन का खात्मा सूरज की बढ़ती गर्मी, चमक और हवा में ऑक्सीजन की कमी से होगा. स्टडी कहती है हमारे पास आधा ही समय बचा है.

ना स्त्रेदमस और बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां कितनी सच होती हैं या नहीं ये तो नहीं पता. लेकिन नासा के सुपरकंप्यूटर ने एक चौंकाने वाला लेकिन दूर का अनुमान लगाया है. वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी पर जैसा जीवन हम आज जानते हैं, वह भी खत्म हो जाएगा. यह कोई युद्ध या प्रदूषण की वजह से नहीं, बल्कि सूरज की बढ़ती गर्मी और चमक की वजह से होगा. अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक काजुमी ओजाकी और क्रिस्टोफर टी. रेनहार्ड ने नेचर जियोसाइंस जर्नल में यह रिसर्च छपी है.

नासा के एस्ट्रोबायोलॉजी इंस्टीट्यूट के डेटा से यह नतीजा निकाला गया है. अच्छी खबर यह है कि हमें अब भी बहुत समय मिला है. आने वाली पीढ़ियां इस समस्या को सुलझा सकती हैं या पृथ्वी छोड़कर कहीं और जा सकती हैं. करीब 100 करोड़ साल बाद खत्म हो जाएगा. पहले वैज्ञानिक सोचते थे कि यह 200 करोड़ साल बाद होगा, लेकिन नया अध्ययन बताता है कि समय आधा हो गया है.

● सूरज की चमक बढ़ने से पृथ्वी पर क्या होगा?

सूरज हर रोज थोड़ा-थोड़ा चमकदार और गर्म होता जा रहा है. अगले 100 करोड़ साल में यह इतना गर्म हो जाएगा कि पृथ्वी का वातावरण बदल जाएगा. वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पानी समुद्र से ऊपर की हवा में चला जाएगा. इससे ऑक्सीजन बनने की प्रक्रिया रुक जाएगी.

आज हमारी हवा में 20 प्रतिशत ऑक्सीजन है जो पौधों और छोटे जीवों की वजह से बनी रहती है. लेकिन सूरज की गर्मी बढ़ने से पौधे और सूक्ष्म जीव कम ऑक्सीजन बनाने लगेंगे. फिर हवा में ऑक्सीजन बहुत कम हो जाएगी. पृथ्वी फिर से उस जैसी हो जाएगी जैसी 25 अरब साल पहले थी, जब ऑक्सीजन बहुत कम थी. इस स्टडी में सुपरकंप्यूटर ने सूरज की चमक, पृथ्वी के मौसम और केमिकल साइकिल को ध्यान में रखकर गणना की है.

● 25 अरब साल पहले क्या हुआ था?

लगभग 25 अरब साल पहले पृथ्वी पर ऑक्सीजन बहुत कम थी. तब एक नए प्रकार के जीवों ने ऑक्सीजन बनाना शुरू किया. इसे ग्रेट ऑक्सीडेशन इवेंट कहते हैं. इससे पुराने सारे जीव मर गए. नया ऑक्सीजन वाला वातावरण बन गया. आज हम उसी ऑक्सीजन पर जी रहे हैं.

वैज्ञानिक ओजाकी और रेनहार्ड कहते हैं कि यह ऑक्सीजन हमेशा नहीं रहेगी. सूरज की बढ़ती गर्मी से वही पुराना समय लौट आएगा. कंप्यूटर मॉडल बताता है कि 100 करोड़ साल बाद हवा में ऑक्सीजन 1 प्रतिशत से भी कम रह जाएगी. तब जटिल जीवन जैसे इंसान, जानवर या बड़े पौधे नहीं बच पाएंगे. सिर्फ कुछ सरल बैक्टीरिया जैसा जीवन रह सकता है.

नासा के सुपरकंप्यूटर ने गणना की है कि यह बदलाव ठीक साल 10,00,00,2021 के आसपास होगा. मतलब आज से करीब 100 करोड़ साल बाद. पहले के अनुमान 200 करोड़ साल के थे, लेकिन नई स्टडी कहती है कि ऑक्सीजन की कमी पहले आ जाएगी. सूरज की गर्मी बढ़ने से पहले ही हवा का ऑक्सीजन खत्म हो जाएगा.

पृथ्वी का कार्बोनेट-सिलिकेट साइकिल और सूरज की किरणें इसकी मुख्य वजह हैं. आज पौधे और सूक्ष्म जीव ऑक्सीजन बनाते हैं, लेकिन भविष्य में वे इतनी गर्मी में नहीं रह पाएंगे. इससे पहले कि पृथ्वी पूरी तरह सूख जाए, ऑक्सीजन खत्म हो जाएगी.

● क्या इंसान बच सकता है?

वैज्ञानिक कहते हैं कि घबराने की जरूरत नहीं. 100 करोड़ साल बहुत लंबा समय है. अगर इंसान आज जलवायु परिवर्तन जैसे अपने बनाए संकटों को सुलझा ले तो भविष्य की पीढ़ियां इस समस्या के लिए तैयार हो सकती हैं. हो सकता है वे नई तकनीक से ऑक्सीजन बनाएं या पृथ्वी छोड़कर दूसरे ग्रहों पर बस जाएं.

अभी तो हमारा फोकस डूम्सडे क्लॉक जैसी मानव-बनाई आपदाओं पर है, लेकिन यह प्राकृतिक अंत तो होना ही है. ऑक्सीजन बनाए रखने के लिए सिर्फ पौधे काफी नहीं होंगे. पौधों की वजह से आज ऑक्सीजन ज्यादा है, लेकिन सूरज की गर्मी बढ़ने से यह चक्र टूट जाएगा.

यह रिसर्च सिर्फ पृथ्वी के लिए नहीं, बल्कि दूसरे ग्रहों पर जीवन ढूंढने में भी मदद करेगी. वैज्ञानिक अब समझ गए हैं कि ऑक्सीजन वाला वातावरण कितने समय तक टिक सकता है. इससे हमें पता चलेगा कि दूसरे सितारों के आसपास कौन से ग्रह जीवन के लिए सही हो सकता हैं. अभी हमें अपनी बनाई समस्याओं जैसे जलवायु परिवर्तन को सुलझाना ज्यादा जरूरी है.

New Delhi

मोदी बोले–2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी) पीएम मोदी ने मंगलवार को देहरादून में कहा, '4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है। अब वह समय आ गया है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं।'

पीएम ने कहा, 'कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं।' इससे पहले उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। वे एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण करने सहारनपुर पहुंचे। यहां रोड शो भी किया।

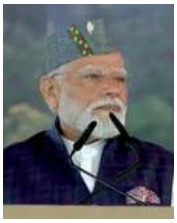

महिला आरक्षण पर: 4 दशक बाद संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। 33% आरक्षण लागू करने वाले इस कानून को बनाने के लिए सभी दलों ने समर्थन दिया। अब इसे लागू करने में देर नहीं होनी चाहिए। 2029 से ही यह लागू हो जाना चाहिए। यह देश की भावना है हर बहन बेटी की इच्छा है।मातृशक्ति की इसी इच्छा को नमन करते हुए 16 अप्रैल से संसद में चर्चा होनी है। इसे सभी दल सर्व सम्मति से आगे बढ़ाएं। इसलिए मैंने आज देश की नारी शक्ति के नाम आज सभी बहनों के लिए एक पत्र लिखा है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे।

देश की ताकत बन रही बेटियां: पीएम ने कहा कि देश की बेटियां भारत निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। सरकार उनकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर मुश्किल समय में महिलाओं को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए प्रयास जारी हैं।

टूरिज्म बना कमाई का सबसे बड़ा जरिया: पीएम ने कहा कि टूरिज्म बढ़ने से हर वर्ग को कमाई का मौका मिलता है। होटल, टैक्सी, दुकानदार सभी को लाभ होता है। उत्तराखंड अब विंटर टूरिज्म और स्पोर्ट्स का बड़ा केंद्र बन रहा है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

Bihar

डोभाल बोले-जंग का मकसद दुश्मन का मनोबल तोड़ना

नई दिल्ली, (एजेंसी) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि देश की सुरक्षा सिर्फ उसकी सैन्य ताकत से तय नहीं होती, बल्कि जनता की इच्छाशक्ति सबसे जरूरी है। देश की ताकत आंकते समय सबसे बड़ी गलती लोगों के मनोबल को नजरअंदाज करना है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (RRU) के पांचवें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए डोभाल ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा जटिल और मल्टी डायमेंशनल विषय है। इसमें सेना, तकनीक, संसाधन और कूटनीति के साथ मानव शक्ति भी शामिल है। राष्ट्रीय सुरक्षा सिर्फ सेना, पुलिस या खुफिया एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। डोभाल ने कहा कि सोवियत संघ का अफगानिस्तान से 1988-89 में हटना, अमेरिका का वियतनाम से 1970 के दशक में पीछे हटना या अफगानिस्तान में अपने लक्ष्य हासिल न कर पाना, इन सबका कारण सैन्य या तकनीकी कमजोरी नहीं थी। असल वजह वहां के लोगों की भावना और प्रतिबद्धता थी, जिसे हम राष्ट्र की इच्छाशक्ति कहते हैं।

जंग का मुख्य उद्देश्य दुश्मन का मनोबल तोड़ना होता है, ताकि उसे अपनी शर्तों पर समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सके।

इच्छाशक्ति को मजबूत करने में आम जनता की भूमिका सबसे अहम है। लोगों में अपनी सुरक्षा को लेकर जागरूकता जितनी ज्यादा होगी, देश की ताकत उतनी ही मजबूत होगी।

Rajasthan

कैफे ने धोती-चप्पल पर कस्टमर की एंट्री रोकी

जयपुर, (एजेंसी) जयपुर में एक रेस्टोरेंट में कस्टमर को धोती और चप्पल की वजह से एंट्री नहीं दी गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर रहा है। वहीं घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने के बाद यूजर्स में रेस्टोरेंट में 'ड्रेस कोड' बनाम 'भारतीय संस्कृति' पर बहस छिड़ गई है। घटना 12 अप्रेल की जेएलएन मार्ग स्थित रेस्टोरेंट '1932-ट्रेवी' की है। वृंदावन से आए एक आचार्य सतीश कृष्णा को उनकी पारंपरिक वेशभूषा यानी धोती और चप्पल की वजह से रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने उन्हें एंट्री देने से इनकार कर दिया था। इस पर आचार्य सतीश कृष्णा ने वीडियो बनाते हुए कहा- राजस्थान गौरवशाली परंपराओं के लिए जाना जाता है। यहां भारतीय वेशभूषा के आधार पर भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। वहीं कैफे के फ्लोर मैनेजर विश्वजीत ने कहा- कैफे में एंट्री के कुछ ड्रेस कोड हैं, जिन्हें फॉलो करना जरूरी है। उनका तर्क है कि यहां आने के लिए 'शूज और ट्राउजर्स' पहनना अनिवार्य है।

Chhattisgarh

पावर प्लांट में बॉयलर फटा, 9 की मौत : 30-40 मजदूर झुलसे

सक्ती, (एजेंसी) छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 9 मजदूरों की मौत हो गई है। SP प्रफुल्ल ठाकुर ने इसकी पुष्टि की है। 3 मजदूरों की मौत मौके पर ही हो गई थी। वहीं 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फोर्टिस अस्पताल लाया गया, जहां 6 मजदूरों ने दम तोड़ दिया है। बाकी 12 घायलों की हालत गंभीर है। मजदूर 80% झुलस गए हैं।

घटना डभरा थाना क्षेत्र की है। हादसे में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलसे हैं। प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजनों ने हंगामा कर दिया। वे प्रबंधन पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। वहीं कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मजिस्ट्रियल

जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा- पीड़ितों के लिए उचित मुआवजे और घायलों के उपचार की व्यवस्था की जाए।

खेल

आरसीबी ने 15.1 ओवर में हासिल किया लक्ष्य, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची, कोहली अर्धशतक से चूके

बंगलूरू, (एजेंसी) रसिख सलाम और भुवनेश्वर कुमार की घातक गेंदबाजी के बाद विराट कोहली की दमदार बल्लेबाजी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को पांच विकेट से हरा दिया। बुधवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम 20 ओवर में 10 विकेट पर 146 रन ही बना सकी। जवाब में आरसीबी ने 15.1 ओवर में पांच विकेट पर 149 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

आरसीबी बनी 'नंबर-1'

इस जीत के साथ आरसीबी ने अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। पांच में से चार मुकाबले जीतकर आरसीबी ने आठ अंक और +1.503 का नेट रन रेट दर्ज कर लिया। वहीं,

लखनऊ की टीम चार अंक और -0.804 के नेट रन रेट के साथ सातवें स्थान पर है।

आरसीबी की पारी

आरसीबी ने महज 1.4 ओवर में महज नौ के स्कोर पर फिल सॉल्ट (7) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद विराट कोहली ने देवदत्त पडिक्कल के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 57 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। पड़िक्कल 11 गेंदों में 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कोहली ने पारी को आगे बढ़ाया। कोहली ने 34 गेंदों में एक छक्के और छह चौकों के साथ 49 रन की पारी खेली। आरसीबी की तरफ से कप्तान रजत पाटीदार ने 13 गेंदों में 27 रन जुटाए, जबकि जितेश शर्मा ने 23 रन बनाए।

इस टीम ने 122 के स्कोर पर अपना पांचवां विकेट खो दिया था। यहां से टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड ने 14-14 रन की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से प्रिंस यादव ने सर्वाधिक तीन विकेट हासिल किए, जबकि आवेश खान ने दो विकेट निकाले।

लखनऊ की पारी

इससे पहले, लखनऊ की पारी की शुरुआत संभली हुई रही। एडेन मार्करम और मिचेल मार्श की जोड़ी ने टीम को अच्छी शुरुआत देते हुए शुरुआती चार ओवरों में 32 रन जोड़े। हालांकि, मार्करम तेज शुरुआत के बाद सिर्फ 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान ऋषभ पंत क्रीज पर आए, लेकिन दुर्भाग्यवश अपनी पारी की तीसरी ही गेंद पर चोटिल हो गए और रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा। दूसरी ओर, मार्श ने जिम्मेदारी संभालते हुए 32 गेंदों में 40 रन बनाए, जिसमें दो छक्के और तीन चौके शामिल रहे, लेकिन वह भी ज्यादा देर तक टिक नहीं सके।

सिनेमा

15 अप्रैल को 32 साल पहले इस डायरेक्टर ने फिल्म के प्रीमियर पर बुलाए बॉलीवुड स्टार्स, फिर नहीं खोला थिएटर का दरवाजा- बाहर ही रह गए सितारे

आज से ठीक 32 साल पहले, 15 अप्रैल 1994 को बॉलीवुड में एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे फिल्म इंडस्ट्री को हैरान कर दिया. आईएमडीबी के मुताबिक, विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म '1942: ए लव स्टोरी' का प्रीमियर मुंबई के आइकॉनिक मेट्रो सिनेमा में रात 9:30 बजे तय किया गया था. फिल्म इडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियां इस प्रीमियर में आमंत्रित थे. तय समय के अनुसार फिल्म 5 मिनट की देरी से यानी 9:35 बजे शुरू हुई. लेकिन जैसे ही फिल्म शुरू हुई, निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा उठे और खुद थिएटर के सभी दरवाजे बंद कर दिए. उनका इरादा साफ था, देर से आने वालों को अंदर नहीं आने देना. बाद में उन्होंने कहा था कि मैंने इस फिल्म पर चार साल की मेहनत लगाई है. जो लोग मेरी फिल्म का सम्मान नहीं करते, वे मुझे भी सम्मान नहीं करते. इस सख्त फैसले की वजह से कई प्रसिद्ध अभिनेता और निर्देशक सिनेमा हॉल के बाहर खड़े रह गए. वे अंदर नहीं घुस पाए और बाहर इंतजार करते रह गए. उस वक्त मेट्रो सिनेमा में डॉल्बी स्टीरियो साउंड सिस्टम लगाया गया था, जो उस समय बहुत खास था. चोपड़ा नहीं चाहते थे कि फिल्म शुरू होने के बाद कोई खलल पड़े.

G-secs yields cross 7%: Should you invest in fixed income?

NEW DELHI, (Agency). On 2 April 2026, India's ten-year government bond yields hit 7.12%—the highest in nearly two years. The bond yields have been hardening since June 2025, when the RBI cut the repo rate by 50 basis points in its MPC meeting. With the G-Secs crossing 7%, should you invest in fixed income? In this article, we will understand why the bond yields have risen, whether it is a good time to invest in fixed income, and which fixed income products you should invest in.

Why are the bond yields rising?

In the last two years, the yields on the 10-year government bonds have fallen and risen again. In April 2024, the yields were around 7.22%. When the RBI began cutting the repo rate, yields started falling and bottomed out at around 6.2% in June 2025. In its June 2025 MPC meeting, the RBI announced a 50 basis points cut in the repo rate. The market took that as either the end of the rate-cutting cycle or a long pause.

Post the meeting announcement, the 10-year G-sec yields started rising. Some of the reasons for the rise in G-secs yields include higher borrowing by the Central and State Governments, delay in the inclusion of Indian G-secs in Bloomberg global bond indices, selling of Indian G-secs by FPIs, an increase in yields on US treasury bonds, etc.

With the US-Iran War, oil prices have spiked. It has led to pressure on India's balance of payments, fiscal deficit, Indian Rupee, etc. The market fears that the fiscal deficit may increase due to higher crude oil prices, costlier imports due to INR depreciation, a cut in excise duty, etc.

All the above factors have raised fears of an increase in inflation and pressure on 10-year G-secs, leading to higher yields. In early April, yields crossed the 7.00% mark, topping out at 7.12% before cooling off to some extent. India is not alone in G-secs yields going up. It is a global phenomenon, with G-secs yields going up in the US, Europe and many other countries.

Higher yields on fixed-income instruments like G-secs and corporate bonds offer investors an opportunity to benefit from them. Investors can consider adopting the accrual strategy.

With an accrual strategy, investors can consider allocating some funds to shorter tenure bonds of 1 to 3 years, hold them till maturity, and benefit from higher interest rates. The shorter tenure instruments are less sensitive to interest rate movements.

Investors can consider a combination of Government bonds, high-quality AAA-rated corporate bonds, and some exposure to AA/A rated corporate bonds. While G-secs yields are in the 6.95% to 7.05% range, AAA-rated corporate bonds are offering yields in the 7.50% to 7.75% range.

If an individual wants to invest through mutual funds, they can choose from a short-term fund, a medium-term fund, a dynamic bond fund, a corporate bond fund, or a banking and PSU debt fund, etc. It is best to consult a financial advisor who can analyse your needs and accordingly recommend a suitable fund.

For a long-term investment tenure, an individual can consider G-secs, corporate bonds with a tenure of 5 years or more. If an individual wants to invest through mutual funds, they can consider a gilt fund.

G-secs or corporate bonds with a longer tenure are sensitive to interest rate changes. When interest rates rise, the bond prices fall, and vice versa. The longer the bond tenure, the more the sensitivity to interest rates.

Why have gold prices corrected even with the US-Iran war going on?

NEW DELHI, (Agency). At the end of January 2026, gold prices hit an all-time high of $5,600. Post that, there was a big correction of around 20%. At the end of February 2026, Israel and the US attacked Iran, leading to a lot of economic uncertainty. Yet, gold prices haven't seen much of an up move. In this article, we will examine why gold prices have corrected and continue to trade at lower prices despite the ongoing US-Iran War.

Gold's role in times of uncertainty and inflation

Investors allocate money to gold for various reasons. However, two of the important reasons include:

Safe haven during times of uncertainty

Hedge against inflation

With its past performance track record, gold has earned a reputation as a safe haven during times of uncertainty and as a hedge against inflation. In the past, during times of war, pandemic, sovereign debt crisis, global financial crisis, etc., gold has performed well and rewarded investors who put their faith in it. Outperformance during such times has earned gold the tag of a safe haven during times of uncertainty. Similarly, during times of high inflation, when paper money loses its purchasing power, people turn to gold. During such times, gold acts as a store of value. That has earned gold the tag of a hedge against inflation.

Confidential Investigation & all type of Detective services

Successful Journey
Since 2002...

कब..क्यों..कहाँ..कितना..कैसे...!

व्यक्तिगत, व्यापारिक एवं
सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य...
...सबूत/प्रमाण हेतु

DETECTIVE GROUP®

9111050101

9111050101

7312433667

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता

www.detectivegroup.in

jasoosdada@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक